



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 734]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 30, 2015/अग्राहायण 9, 1937

No. 734]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 30, 2015/AGRAHAYANA 9, 1937

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 2015

सा. का. नि. 909(अ).—केंद्रीय सरकार वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का नाम वायुयान (चौथा संशोधन) नियम, 2015 है।
(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. वायुयान नियम, 1937 (इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है) में, नियम 41 क के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अन्तः स्थापित किया जाए, अर्थात्:—

“41 ख. अनुमोदित प्रशिक्षण संगठन—

(1) विमान जिसका सर्वाधिक भार 5700 किलोग्राम से कम है, पर प्रशिक्षण प्रदान करने वाला कोई संगठन कहा गया है, को उड़ान अनुभव प्राप्त करने तथा इन नियमों के नियम 38 और अनुसूची-II में विनिर्दिष्ट अनुज्ञप्ति या रेटिंग का अपेक्षित सक्षमता स्तर प्राप्त करने के लिए छात्रों के नामांकन से पूर्व महानिदेशक का अनुमोदन लिया जाए।

(2) (क) इस नियम के अधीन अनुमोदन प्रदान करने के लिए उड़ान प्रशिक्षण संगठन द्वारा प्रथमतः पचास हजार रुपये की फीस सहित विहित प्रपत्र में महानिदेशक को आवेदन करके “आक्षेप न होने का प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाए।

(ख) खंड (क) के अधीन प्राप्त ‘आपेक्ष न होने का प्रमाण पत्र’ इसके जारी करने की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए विधिमान्य होगा और उप-नियम (3) की अपेक्षाओं को पूरा करने के प्रति प्रगति के बाबत महानिदेशक के समाधानप्रद रहते हुए पच्चीस हजार रुपये की फीस संदाय करने पर छह मास की अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा।

(3) (क) उड़ान प्रशिक्षण संगठन के पास अपेक्षित अवसंरचना, समुचित प्रसुविधाएं, अनुदेशक सहित अर्हित एवं प्रशिक्षित जनशक्ति जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, होनी चाहिए और ऐसे संगठन में महानिदेशक द्वारा अनुमोदित सिमुलेटर पर सिमुलेटर प्रशिक्षण आरंभ किया जाए।

(ख) उड़ान प्रशिक्षण संगठन के पास वह विषयवस्तु जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, सहित 'प्रशिक्षण तथा प्रक्रिया निर्देशिका' और 'गुणता आश्वासन निर्देशिका' होनी चाहिए और दोनों दस्तावेज महानिदेशक को अनुमोदन के लिए भेजा जाए।

(ग) अनुमोदित प्रशिक्षण तथा प्रक्रिया निर्देशिका की प्रति उनके कार्मिकों को उपयोग तथा मार्गदर्शन के लिए उपलब्ध कराना उड़ान प्रशिक्षण संगठन की ड्यूटी होगी।

(4) (क) आक्षेप न होने का विधिमान्य प्रमाणपत्र का धारक दो लाख रुपये की फीस सहित विहित प्रपत्र में उड़ान प्रशिक्षण संगठन का अनुमोदन जारी करने के लिए महानिदेशक को आवेदन कर सकेगा।

(ख) इस बात का समाधानप्रद हो जाने पर कि उड़ान प्रशिक्षण संगठन की स्थापना संबंधी सभी अपेक्षाओं का अनुपालन कर लिया गया है, महानिदेशक ऐसी शर्तें जो अनुमोदन में विनिर्दिष्ट की जाएं, के अधीन रहते हुए उड़ान प्रशिक्षण संगठन को अनुमोदन प्रदान कर सकेंगे।

(ग) ऐसा प्रदान किया गया अनुमोदन पाँच वर्ष की अनधिक अवधि के लिए और इस अवधि के दौरान उड़ान प्रशिक्षण संगठन के कार्य निष्पादन के समाधानप्रद होने पर जब तक कि निलंबित या रद्द या विधिमान्य न किया गया हो, एक लाख रुपये का संदाय करने पर महानिदेशक ऐसी निबंधन- शर्तें जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, के अधीन रहते हुए दो वर्ष की अवधि के लिए अनुमोदन का नवीकरण कर सकेंगे।

परन्तु 13 जनवरी, 2015 के पश्चात्, उक्त तारीख से पूर्व महानिदेशक का अनुमोदन धारण करने वाले उड़ान प्रशिक्षण संगठन की दशा में, दो लाख रुपये की फीस का संदाय करने पर पहला नवीकरण पाँच वर्ष की अवधि के लिए किया जा सकेगा।

(5) इस नियम के अधीन देय विभिन्न फीसों का संदाय वेतन एवं लेखा कार्यालय, नागर विमानन महानिदेशालय, नागर विमानन मंत्रालय, नई दिल्ली के पक्ष में आहरित डिमांड ड्राफ्ट या महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाने वाले अन्य साधन से किया जाए।

(6) उड़ान प्रशिक्षण संगठन के अभिलेख को महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में रखा जाए और महानिदेशक या उनकी ओर से प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी की मांग किए जाने पर प्रस्तुत किया जाए।

(7) उड़ान प्रशिक्षण संगठन कोई ऐसा प्रशिक्षण प्रदान नहीं कर सकेगा जो उसके कार्यकलाप की परिधि में सम्मिलित नहीं है और महानिदेशक द्वारा विधिवत् अनुमोदित नहीं है।

(8) उड़ान प्रशिक्षण संगठन के पास स्वीकार्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, होनी चाहिए।

(9) इस बात का समाधानप्रद होने पर कि, —

(क) उड़ान प्रशिक्षण संगठन के अनुमोदन की शर्तों में से किसी शर्त का अनुपालन नहीं किया गया है और यह विफलता ऐसे अनुमोदन धारक की ओर से या उसके कर्मचारियों या एजेंटों में से किसी कर्मचारी या एजेंट द्वारा जान बूझकर किए गए किसी कार्य या चूक से हुई है, जिसमें अनुमोदन धारक की जानकारी या सहमति से ऐसा जानबूझकर कार्य या चूक एजेंट के कारण हुआ है या नहीं, इसका लिहाज नहीं किया जाएगा, या

(ख) अनुमोदन धारक प्रशिक्षण संगठन की सुरक्षा, सक्षमता तथा विश्वसनीयता बनाए रखने में विफल रहा है; या

(ग) उड़ान प्रशिक्षण का अनुमोदन किसी तात्त्विक तथ्य को छिपाकर या गलत जानकारी देकर प्राप्त किया गया था,

महानिदेशक ऐसी अवधि जिसे उचित समझें, के लिए अनुमोदन रद्द या निलंबित कर सकेंगे:

परन्तु अनुमोदन धारक को लिखित रूप में कारण बताओ नोटिस दिए बिना ऐसे अनुमोदन को इस आधार पर रद्द या निलंबित नहीं किया जा सकेगा जिसमें उक्त अनुमोदन को निलंबित या रद्द करने का प्रस्ताव किया गया हो और उसे उपर्युक्त समय जो नोटिस में विहित किया जाए, के भीतर लिखित में अभ्यावेदन देने या यथोचित अवसर दिया गया हो और यदि उस व्यक्ति ने सुने जाने की इच्छा जताई हो तो उसे सुना गया हो।

(10) उप-नियम (9) में किसी अन्य बात के होते हुए, यदि केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक सुरक्षा के हित में ऐसा करना आवश्यक है तो लिखित में ऐसे कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे, आगे की जाँच-पड़ताल करने की दृष्टि से उड़ान प्रशिक्षण संगठन के अनुमोदन को सरसरी तौर पर निलंबित किया जा सकेगा।

3. मूल नियम में, नियम 133 ख में उप-नियम में, खंड (V) के स्थान पर निम्नलिखित खंड को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात्:—

“(V) नियम 41 ख और 114 के अधीन शामिल विषयों से भिन्न सभी विमानन विषयों के लिए प्रशिक्षण संगठन।”

[फा. सं. ए.वी. 11012/3/2014-ए]

अरूण कुमार, संयुक्त सचिव

टिप्पण:—

1. मूल नियम तारीख 23 मार्च, 1937 की अधिसूचना संख्या वी-26 द्वारा सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित तारीख 09 फरवरी, 2015 की सा. का. नि. संख्या 78(अ) द्वारा किया गया।
2. केन्द्रीय सरकार वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नागर विमानन मंत्रालय में तारीख 26 नवम्बर, 2015 को लोक हित में जारी आदेश संख्या ए.वी. 11012/03/2014-ए के द्वारा इस अधिसूचना की दशा में, पूर्ववर्ती प्रकाशन की शर्त से छूट प्रदान करती है।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th November, 2015

G.S.R. 909(E).—In exercise of the power conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely:—

1. (1) These rules may be called as the Aircraft (Fourth Amendment) Rules, 2015.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Aircraft Rules, 1937 (hereinafter referred to as the principal rules), after rule 41A, the following rule shall be inserted, namely:—

“41B. Approved Training Organisation.—

(1) A Flying Training Organisation (hereinafter referred to as FTO) providing training on aircraft below 5700 kgs all-up-weight shall obtain the approval of the Director-General before the students are enrolled to acquire flying experience and the level of competency required for obtaining a licence or rating specified in rule 38 and Schedule II of these rules.

(2) (a) For the grant of approval under this rule, the FTO shall, in the first instance, obtain a 'No objection Certificate' by making an application in the prescribed format to the Director-General along with a fee of fifty thousand rupees.

(b) The No Objection Certificate obtained under clause (a) shall be valid for a period of two years from the date of its issuance and may be extended by six months at a time on payment of a fee of twenty-five thousand rupees subject to the satisfaction of the Director-General regarding progress towards meeting the requirements of sub-rule (3).

(3) (a) The FTO shall possess the requisite infrastructure, adequate facilities, qualified and trained manpower including instructors as may be specified by the Director-General and the simulator training in such organisation shall be undertaken on simulator approved by the Director-General.

(b) The FTO shall have a 'Training and Procedure Manual' and a 'Quality Assurance Manual' with contents as may be specified by the Director-General and both the documents shall be submitted to the Director-General for approval.

(c) It shall be the duty of the FTO to provide a copy of the approved Training and Procedure Manual to its personnel for their use and guidance.

(4) (a) The holder of a valid No Objection Certificate may apply to the Director-General for issuance of approval of the FTO in the prescribed format along with a fee of two lakh rupees.

(b) The Director-General may, on being satisfied that all the requirements pertaining to the setting up of a FTO have been complied with, grant an approval to the FTO subject to such conditions as may be specified in the approval.

(c) The approval so granted shall, unless suspended or cancelled, remain valid for a period not exceeding five years and on being satisfied with the performance of FTO during this period, the Director-General may renew the approval for a period of two years at a time on payment of a fee of one lakh rupees, subject to such terms and conditions as may be specified by the Director-General:

Provided that after the 13th January, 2015, in case of a FTO holding approval of the Director-General prior to said date, the first renewal may be carried out for a period of five years on payment of a fee of two lakh rupees.

- (5) The various fees payable under this rule shall be paid by demand draft drawn in favour of the Pay and Accounts Office, Directorate General of Civil Aviation, Ministry of Civil Aviation, New Delhi or by other means to be specified by the Director-General.
- (6) The training records of the FTO shall be maintained in a manner specified by the Director-General and shall be produced on demand to the Director-General or any other officer authorised by him in this behalf.
- (7) The FTO shall not impart any training which is not included in the scope of its activities and has not been duly approved by the Director-General.
- (8) The FTO shall have an acceptable safety management system as specified by the Director-General.
- (9) Upon being satisfied that,—
- (a) any of the conditions of the approval of the FTO has not been complied with and the failure is due to any wilful act or default on the part of the holder of such approval or by any of his employees or agents, irrespective of whether or not such wilful act or default of the employee or agent was with the knowledge or consent of the holder of the approval; or
 - (b) the holder of the approval has failed to maintain safe, efficient and reliable training organisation; or
 - (c) the approval of the FTO was obtained by suppressing any material fact or furnishing wrong information,

the Director-General may cancel the approval or suspend it for such a period as deemed fit:

Provided that no such approval shall be cancelled or suspended without giving a show-cause notice in writing informing the holder of the approval the ground on which it is proposed to suspend or cancel the

approval and giving him a reasonable opportunity of making a representation in writing within such reasonable time as may be specified in the notice and, if that person so desires, of being heard.

- (10) Notwithstanding anything contained in sub-rule (9), if the Central Government is of the opinion that in the interest of public safety it is necessary to do so, it may, for reasons to be recorded in writing, summarily suspend the approval of a FTO with a view to make further enquiry.

3. In the principal rules, in rule 133B, in sub-rule (1), for clause (v), the following clause shall be substituted, namely:—

“(v) training organisations for all aviation subjects except those covered under rules 41B and 114” .

[F. No. AV.11012/3/2014-A]

ARUN KUMAR, Jt. Secy.

Notes:—

1. The principal rules were published in the Official Gazette vide notification number V-26, dated 23rd March, 1937 and were last amended by G.S.R. No.78(E), dated the 9th February, 2015 published in Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i) of the Gazette of India.
2. The Central Government in exercise of the powers conferred by proviso to Section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934) has in the public interest dispensed with the condition of previous publication in case of this notification vide its Order No. AV.11012/3/2014-A dated November 26, 2015 issued in Ministry of Civil Aviation.